Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

S. No.	Title	Date	Page No.
1 –	मेरी माँ –		
2 –	समर्पण –		
3 –	क्रिया –		
4 –	विशेषण –		
5 –	समास		

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

पाठ योजना – 1

विषय –
कक्षा –
विद्यालय –

प्रकरण – 'मेरी माँ'

दिनांक –
कालांश –
समयावधि –

सामांय उद्देश्य –

1- छात्रों में मातृभाषा के प्रति रुचि जाग्रत करना।
2- छात्रों को पाठ में आये हुए कठिन शब्दों के उच्चारण में अभ्यास करना।
3- छात्रों के पाठ के शब्द भण्डार, सूक्ति, मुहावरों व लोकोक्तियों में वृद्धि कराना।
4- छात्रों को विभिन्न रचनाकारों की शैलियों से परिचित कराना।
5- छात्रों को स्वाध्याय की प्रेरणा देना।
6- छात्रों को उचित आरोह, अवरोह, लय, गति एवं विराम आदि के प्रयोग के साथ वाचन में अभ्यस्त करना।

विशिष्ट-उद्देश्य –	शिक्षण उद्देश्य –	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन –
1- ज्ञानात्मक उद्देश्य –	1- छात्रों को 'मेरी माँ' पाठ का ज्ञान कराना।	1- छात्र 'मेरी माँ' पाठ का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगें।
	2- छात्रों को पाठ की भाषा के तत्वों का ज्ञान कराना।	2- छात्र पाठ की भाषा के तत्वों को ज्ञान सकेंगे।
	3- छात्रों को शुद्ध उच्चारण के साथ हाव-भाव सहित वाचन करने योग्य बनाना।	3- छात्र शुद्ध उच्चारण के साथ हाव-भाव सहित वाचन कर सकेंगें।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

विशिष्ट-उद्देश्य-	शिक्षण उद्देश्य -	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन-
2- अवबोधात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में 'मेरी माँ' पाठ को परिभाषित करने की योग्यता का विकास करना।	1- छात्र 'मेरी माँ' पाठ को परिभाषित कर सकेंगे।
	2- छात्रों को 'मेरी माँ' पाठ के महत्व की व्याख्या से परिचित कराना।	2- छात्र 'मेरी माँ' पाठ के महत्व की व्याख्या कर सकेंगे।
3- कौशलात्मक-उद्देश्य-	1- छात्रों में चित्र के माध्यम से प्रदर्शन करने की योग्यता का विकास करना।	1- छात्र चित्र के माध्यम से प्रदर्शित पाठ को समझ सकेंगे।
	2- छात्रों को शुद्ध, स्पष्ट, आरोह-अवरोह पूर्वक यति, गति एवं विराम चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए वाचन कौशल का विकास करना।	2- छात्र शुद्ध स्पष्ट आरोह-अवरोह पूर्वक यति गति एवं विराम चिह्नों का उचित प्रयोग करते हुए वाचन करने का कौशल प्राप्त कर सकेंगे।
4- अभिरुच्यात्मक-उद्देश्य-	1- छात्रों में 'मेरी माँ' के विषय में रुचि जाग्रत करना।	1- छात्र 'मेरी माँ' के विषय में रुचि ले सकेंगे।
	2- छात्रों में गद्य पाठ के अर्थ एवं व्याख्या में रुचि जाग्रत करना।	2- छात्र गद्य पाठ के अर्थ एवं व्याख्या में रुचि ले सकेंगे।
5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में पाठ में निहित सद्वृत्तियों को विकसित करना।	1- छात्र पाठ में निहित सद्वृत्तियों को अपने जीवन में उपयोग कर सकेंगे।

सहायक सामग्री- पाठ्य-पुस्तक, चॉक, डस्टर, संकेतक, लपेट श्यामपट्ट, प्रकरण को स्पष्ट करता हुआ चित्र आदि।

पूर्वज्ञान- छात्र पूर्व कक्षाओं में माँ से सम्बंधित विचारों को पढ़ चुके हैं तथा यह एक वास्तविक विचार है इससे सम्बंधित सामान्य जानकारी रखते हैं।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

प्रस्तावना-प्रश्न-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-
	प्र.- आपके घर में कौन-2 हैं?	उ.-1 मेरे घर में माता-पिता भाई-बहिन हैं।
	प्र.- आपके घर से कौन पैसे कमाने जाता है?	उ.-2 पिता जी-मेरी माँ
	प्र.- आपकी देखभाल कौन करता है?	उ.-3 मेरे पति-
	प्र.- मेरी माँ से आप क्या समझते हैं?	उ.-4 समस्यात्मक।

उद्देश्य कथन- आज हम 'मेरी माँ' नामक गद्य पाठ का अध्ययन करेंगे।

शिक्षण बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
आदर्श वाचन-	छात्राध्यापक पूर्ण आरोह अवरोह पूर्वक विराम चिह्नों का पालन करते हुए आदर्श वाचन करेगा।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	ग्यारह वर्ष की उम्र में माताजी विवाह कर शाहजहाँपुर आयी थीं। उस समय आप नितान्त अशिक्षित एवं ग्रामीण कन्या के सदृश थीं।
अनुकरण-वाचन-	छात्राध्यापक छात्रों का वाचन करने का आदेश देगा।	छात्र उचित आरोह अवरोह लय गति के साथ वाचन करेंगे।	शाहजहाँपुर आने के थोड़े दिनों बाद ही दादी जी ने अपनी छोटी बहिन को बुला लिया। उन्हींने गृहकार्य में माताजी को शिक्षा दी। थोड़े ही दिनों में माताजी

Teacher's Signature : ....

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
			ने सब गृहकार्य को समझ - लिया और भोजनादि का - ठीक -२ प्रबंध करने लगीं। मेरे जन्म के पाँच या सात वर्ष बाद आपने हिन्दी पढ़ना आरम्भ किया। पढ़ने का शौक आपको - खुद ही पैदा हुआ था। मोहल्ले - की संग-सहेली जो घर पर - आ जाती थीं, उन्हीं में जो कोई शिक्षित थी, माताजी उनसे - अक्षर बोध करतीं। इसी - प्रकार घर का सब काम कर चुकने के बाद जो कुछ समय - मिल जाता उसमें पढ़ना-लिखना करतीं। परिश्रम के फल से थोड़े दिनों में ही वे देवनागरी पुस्तकों का अवलोकन करने - लगीं।
मौन वाचन -	छात्राध्यापक छात्रों को मौन - वाचन करने का आदेश देगा तथा उनका निरीक्षण करेगा।	छात्र मौन वाचन - करेंगे।	
विचार विश्लेषणात्मक प्रश्न -	प्र॰1 किस उम्र में उनकी माता का विवाह हुआ ?	उ॰1 ग्यारह वर्ष - की उम्र में उनकी - माता का विवाह हुआ।	
	प्र॰2 उसकी माँ का विवाह -		

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	कहाँ हुआ था ?	उ०-2 उसकी माँ का विवाह शाहजहाँपुर में हुआ था।	
	प्र०-3 दादी ने किसे घर पर बुलाया था ?	उ०-3 दादी ने अपनी बहन को घर पर बुलाया था।	
	प्र०-4 लेखक के जन्म के कितने साल बाद उनकी माँ ने हिन्दी पढ़ना प्रारंभ किया ?	उ०-4 लेखक के जन्म के 5 साल बाद माँ ने हिंदी पढ़ना प्रारंभ किया।	
	प्र०-5 थोड़े समय बाद वह किन पुस्तकों का अवलोकन करने लगीं ?	उ०-5 थोड़े समय बाद वे देवनागरी पुस्तकों का अवलोकन करने लगीं।	
मूल्यांकन-प्रश्न-	1-लेखक की माता का विवाह 10 वर्ष में हुआ ? ( )	असत्य-	सत्य व असत्य को (✓) करें।
	2-दादी ने अपनी माँ को बुलाया। ( )	असत्य-	1.-लेखक की माँ का विवाह 10 वर्ष में हुआ ( )
	3-विवाह के समय वह शिक्षित थीं। ( )	असत्य-	2.-दादी ने अपनी माँ को बुलाया। ( )
	4.-माता जी उन्हे अक्षरज्ञान करातीं।	सत्य-	3.-विवाह के समय वह शिक्षित थीं। ( )
	5- वे देवनागरी पुस्तकों का अवलोकन करने लगीं।	सत्य-	4-माता जी उन्हे अक्षरज्ञान करातीं। ( )
गृहकार्य-	पाठ की व्याख्या अपने शब्दों में लिखकर लायेंगे।	छात्र अपनी उत्तर-पुस्तिकाओं में लिखेंगे।	

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
			छ:- वे देवनागरी - पुस्तकों का अवलोकन करने लगीं। ( )

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

पाठयोजना-2

विषय- दिनांक-
कक्षा- कालांश-
विद्यालय- समयावधि-

प्रकरण- समर्पण

सामान्य उद्देश्य-

1- छात्रों में मातृभाषा के प्रति रुचि जाग्रत करना।
2- छात्रों को पाठ में आये हुए कठिन शब्दों के उच्चारण में अभ्यास करना।
3- छात्रों के पाठ के शब्द भण्डार, सूक्ति, मुहावरों व लोकोक्तियों में वृद्धि करना।
4- छात्रों को विभिन्न रचनाकारों की शैलियों से परिचित कराना।
5- छात्रों को स्वाध्याय की प्रेरणा देना।
6- छात्रों को उचित आरोह, अवरोह, लय, गति एवं विराम आदि के प्रयोग के साथ वाचन में अभ्यस्त कराना।

विशिष्ट-उद्देश्य-	शिक्षण उद्देश्य-	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन-
1- ज्ञानात्मक उद्देश्य-	1- काव्य में निहित संधि, समास, अलंकार, उपसर्ग, रस आदि का ज्ञान कराना।	1- छात्र कविता में निहित संधि, समास, अलंकार, उपसर्ग, रस आदि का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
	2- कविता के केन्द्रीय भाव एवं विचार का ज्ञान प्रदान करना।	2- छात्र कविता में निहित केन्द्रीय भाव एवं विचार को ग्रहण कर-

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

विशिष्ट-उद्देश्य-	शिक्षण उद्देश्य-	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन-
2- अवबोधात्मक-उद्देश्य-	1- छात्रों को पढ़ाकर व सुनाकर कविता में निहित भागों का ज्ञान प्रदान करना।	1- छात्र कविता को पढ़कर व सुनकर कविता में निहित भागों का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
	2- छात्रों को कविता में निहित नवीन शब्द व सूक्तियों के अर्थ से परिचित कराना।	2- छात्र कविता में प्रयुक्त विभिन्न शब्दों व सूक्तियों का अर्थ समझ सकेंगे।
3- कौशलात्मक-उद्देश्य-	1- छात्रों को शुद्ध, स्पष्ट, आरोह-अवरोह गति, विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए वाचन करने योग्य बनाना।	1- छात्र शुद्ध, स्पष्ट, आरोह-अवरोह पूर्वक यति-गति विराम चिह्नों का प्रयोग करते हुए वाचन करने का कौशल प्राप्त कर सकेंगे।
	2- छात्रों को कविता की अपनी शब्दों में व्याख्या करने योग्य बनाना।	2- छात्र कविता की अपने शब्दों में व्याख्या कर सकेंगे।
4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में कविता के भावार्थ को हृदयंगम करने की रुचि का विकास करना।	1- छात्र कविता के भावार्थ को हृदयंगम कर अपनी रुचि का विकास कर सकेंगे।
	2- छात्रों को कविता में निहित प्रगतिशील ज्ञान से आत्मनिर्भरता विकसित करना।	छात्र कविता के अनुरूप अपनी रुचियों व सद्वृत्तियों की अभिवृत्ति कर सकेंगे।
5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में सद्वृत्तियों का विकास करना।	छात्र सद्वृत्तियों का उपयोग अपने जीवन में कर सकेंगे।

सहायक सामग्री- पाठ्य-पुस्तक, चॉक, डस्टर, संकेतक, लपेट श्यामपट्ट आदि।

पूर्वज्ञान- छात्र पूर्व कक्षाओं में समर्पण से सम्बंधित कविताएँ पढ़ चुके-

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

चुके हैं। तथा सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना-प्रश्न-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-
	प्र०-1 हमारे देश का क्या नाम है?	उ०-1 हमारे देश का नाम भारत है।
	प्र०-2 हमारा देश कब आजाद हुआ?	उ०-2 हमारा देश 1947 में आजाद हुआ।
	प्र०-3 किसने हमारे देश को आजादी दिलाई?	उ०-3 हमारे देश को भगत सिंह, सरदार गुरु, चन्द्रशेखर आजाद ने आजादी दिलाई।
	प्र०-4 इन सभी में कौन सा गुण मुख्य है?	उ०-4 समर्पण का गुण।
	प्र०-5 समर्पण में आपका क्या अभिप्राय है?	उ०-5 समस्यात्मक।

उद्देश्य कथन — आज हम हिन्दी पद्यविषय के अन्तर्गत समर्पण का रसास्वादन करेंगे।

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
आदर्शवाचन-	छात्राध्यापक उचित आरोह-अवरोह पूर्वक यति, गति युक्त भावपूर्ण वाचन करेगा।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	मन समर्पित, तन समर्पित और यह जीवन समर्पित चाहता हूँ देश की धरती तुझे कुछ और भी दूँ।
अनुकरण-वाचन-	छात्राध्यापक छात्रों को वाचन करने का आदेश देगा तथा उन की वाचन सम्बंधी त्रुटियों का-	छात्र पूर्ण आरोह-अवरोह पूर्वक वाचन करेंगे।	माँ तुम्हारा ऋण बहुत है मैं अकिंचन।

SMT. SHYAMA DEVI
Shree College of Science & Management

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
			किन्तु इतना कर रहा फिर भी निवेदन थाल में लाय सजाकर थाल जब भी, कर दया स्वीकार लेना- यह समर्पण। गान अर्पित, प्राण अर्पित रक्त का कण-कण समर्पित। चाहता हूँ देश की धरती तुझे कुछ और भी दूँ।
काठिन्य-उच्चारण-	छात्राध्यापक छात्रों द्वारा उच्चरित शब्दों को शुद्ध उच्चारण करायेगा तथा उन्हें श्यामपट्ट पर लिखेगा।	छात्र कठिन शब्दों का उच्चारण करेंगे।	कठिन शब्द उच्चारण- समर्पित- ऋण अकिंचन- अर्पित
काठिन्य-निवारण-	छात्राध्यापक कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर उनके अर्थ छात्रों को बतायेगा। शब्द- अर्थ- समर्पित- भेंट किया हुआ- ऋण- कर्ज- अकिंचन- निर्धन निवेदन- प्रार्थना-	छात्र कठिन शब्दों के अर्थ को अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।	काठिन्य निवारण- शब्द- अर्थ- समर्पित- भेंट किया हुआ ऋण- कर्ज- अकिंचन- निर्धन- निवेदन- प्रार्थना।
प्रवचन-	प्रस्तुत पद्यांश कवि रामावतार त्यागी जी द्वारा रचित है इन पंक्तियों में उन्होंने-	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	अपने समर्पण की बात कही हैं। वह अपनी जन्मभूमि से प्रार्थना करते हुए कहते है कि- मेरा यह मन और तन दोनो ही आपके ऊपर न्यौछावर है और मैं आपको क्या दूँ। वे कहते हैं कि- धरती माँ मेरे ऊपर आपका यह कर्ज है मैं इसे कैसे उतारूँ पर यह निवेदन करता हूँ मैं- जब थाली में भाल सजाकर लाऊँ मेरे समर्पण को स्वीकार कर लेना। मेरा रक्त और उस का हर कण आप पर न्यौछावर हैं।		
पुनः स्मरण वाचन-	छात्राध्यापक पूर्ण आरोह-अवरोह यति, गति या स्वर लयपूर्ण वाचन करेगा।	छात्र कविता का रसास्वादन करेंगे।	
भावबोधात्मक प्रश्न-	प्र०-1 कविता में कवि क्या समर्पित कर रहा हैं?	उ०-1 कवि अपना तन और मन समर्पित कर रहा हैं।	
	प्र०-2 कवि अपना सब कुछ किस को समर्पित कर रहे हैं?	उ०- कवि अपना सब कुछ देश को समर्पित कर रहे हैं।	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	प्रश्न-3 थाल में क्या सजाकर कवि लाये हैं ?	उ:- थाल में भाल सजाकर कवि लाये हैं।	
	प्रश्न-4 कवि थाल क्यों सजाकर लाना चाहता हैं ?	उ:- अपने आपको समर्पित करने के लिये।	
सौन्दर्यानुभूति-प्रश्न	1- प्रस्तुत कविता में कौन-सा रस हैं ?	1- प्रस्तुत कविता में वीर रस हैं।	
	2- कविता में क्या भाव निहित हैं ?	2- कविता में देशप्रेम का भाव निहित हैं।	
	3- कवि किसके प्रति अपने भावों को प्रकट कर रहा हैं ?	3- कवि अपने देश के प्रति अपने भावों को प्रकट कर रहा हैं।	
आत्मसातीकरण-	1- प्रस्तुत कविताओं में क्या समानता हैं ?	1- दोनों कविताएँ वीर रस से परिपूर्ण हैं।	"मुझे तोड़ लेना बनमाली उसपथ पर देना तुम फेंक- मातृभूमि पे शीश चढ़ाने जिस पथ जावे वीर अनेक।
	2- प्रस्तुत कविताओं का क्या भाव निहित हैं ?	2- दोनों में ही राष्ट्र प्रेम का भाव ओत-प्रोत हैं।	
अंतिम आदर्श-वाचन -	छात्राध्यापक पूर्ण लय, यति गति आरोह अवरोह के साथ वाचन करेगा।	छात्र कविता का रसास्वादन करेंगे।	
गृहकार्य-	छात्र कविता को कण्ठस्थ करके आयेंगे।	छात्र अपनी अभ्यास-पुस्तिका में लिखेंगे।	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

पाठ योजना-3

विषय- दिनांक-
कक्षा- कालांश-
विद्यालय- समयावधि-

प्रकरण- क्रिया

सामान्य उद्देश्य-

1- छात्रों को शुद्ध भाषा बोलने व लिखने की प्रेरणा प्रदान करना।
2- छात्रों को भाषा तत्वों का ज्ञान प्रदान करना।
3- छात्रों को शुद्ध वाक्य रचना का ज्ञान कराना।
4- छात्रों को व्याकरण के नियमों से परिचित कराना।
5- छात्रों में भाषा विश्लेषण की योग्यता विकसित करना।
6- छात्रों में शुद्ध व अशुद्ध रूप के बीच भिन्नता जानने की योग्यता का विकास करना।

विशिष्ट- उद्देश्य-	शिक्षण उद्देश्य-	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन-
1- ज्ञानात्मक- उद्देश्य-	1- छात्रों को भाषा तत्वों का ज्ञान कराना। 2- छात्रों को क्रिया का ज्ञान कराना।	1- छात्र सैद्धान्तिक व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2- छात्र क्रिया के बारे में जान-

Teacher's Signature : ....

SMT SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

शिक्षण-बिन्दु-	शिक्षण उद्देश्य-	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन-
		सकेंगे।
2- अवबोधात्मक-उद्देश्य-	1- छात्रों में क्रिया को परिभाषित करने की योग्यता का विकास करना। 2- छात्रों को क्रिया के महत्व की व्याख्या से परिचित कराना।	1- छात्र क्रिया को परिभाषित कर सकेंगे। 2- छात्र क्रिया के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त कर सकेंगे।
3 कौशलात्मक-उद्देश्य-	1- छात्रों को चित्र के माध्यम से क्रिया को प्रदर्शित करने की योग्यता का विकास करना।	1- छात्र क्रिया को जानने में सकारात्मक धारणा उत्पन्न कर सकेंगे तथा चित्र के माध्यम से प्रदर्शित क्रिया को आत्मसात कर सकेंगे।
4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में क्रिया के विषय में रुचि जाग्रत करना।	1- छात्र अलंकारों को जानने में रुचि ले सकेंगे।
5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में भाषा के प्रति जीवन उपयोगी सामान्य ज्ञान प्रदान करना।	1- छात्र भाषा का अपने सामान्य जीवन में उपयोग कर सकेंगे।

सहायक सामग्री- पाठ्य-पुस्तक, चॉक, डस्टर, संकेतक, लपेट श्यामपट्ट - प्रकरण को स्पष्ट करता हुआ चार्ट।

पूर्व-ज्ञान- छात्र क्रिया के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना प्रश्न-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-
	प्र.-1- शब्द किसे कहते हैं?	उ.- वर्णों व मात्राओं के योग -

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....   Page No. ....

प्रस्तावना-प्रश्न-	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रियाएँ-
		से बनने वाला शब्द कहलाता हैं।
	प्र०-2 वाक्य किससे बनता हैं ?	उ०- शब्दों के योग से बनने वाली-संरचना को वाक्य कहते हैं।
	प्र०-3 अवतरण किससे बनता हैं ?	उ०- अवतरण क्रिया, कर्ता व कर्म के संयोग से बनता हैं।
	प्र०-4 क्रिया किसे कहते हैं ?	उ०- समस्यात्मक ।

उद्देश्य कथन- आज हम क्रिया की विशेषता व उसकी परिभाषा का अध्ययन-करेंगे।

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
क्रिया-उदाहरण	छात्राध्यापक छात्रों से निम्न प्रश्न करेंगे ?		उदाहरण-
1-वायुयान उड़-रहा हैं।	1-वायुयान क्या कर रहा हैं?	1-वायुयान उड़ रहा हैं।	1-वायुयान उड़ रहा हैं
2-किसान हल-चला रहा हैं।	2-किसान क्या चला रहा-हैं ?	2-किसान हल चला-रहा हैं।	2-किसान हल चला-रहा हैं।
3-लड़का पुस्तक पढ़ता हैं।	3-लड़का क्या पढ़ता हैं ?	3-लड़का पुस्तक पढ़ता-हैं।	3-लड़का पुस्तक पढ़ता हैं।
स्पष्टीकरण-	ऊपर के तीनों वाक्यों में उड़ रहा हैं। चला रहा हैं। और पढ़ता हैं। शब्दों के द्वारा वाक्य पूरे-	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे व अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	होते हैं। इनके बिना वाक्य अधूरे हैं। ऐसे शब्द क्रिया कहलाते हैं।		
परिभाषा-	जिस शब्द अथवा- शब्द-समूह के द्वारा किसी कार्य के होने अथवा करने का बोध हो, वह क्रिया कहलाती है।	छात्र निर्देशानुसार परिभाषा को अपनी लेखपुस्तिका में लिखेंगे।	"जिस शब्द अथवा - शब्द समूह के द्वारा - किसी कार्य के होने - अथवा - करने का बोध हो, वह क्रिया - कहलाती है।"
उदाहरण-			उदाहरण-
1- गीता नाच रही है।	1- इस वाक्य में गीता क्या कर रही है?	1- इस वाक्य में गीता - नाच रही है।	1- गीता नाच रही है।
2- बच्चा दूध पी- रहा है।	2- बच्चा क्या कर रहा है?	2- बच्चा दूध पी रहा - है।	2- बच्चा दूध पी रहा - है।
3- राकेश कॉलेज जा रहा है?	3- राकेश क्या कर रहा - है?	3- राकेश कॉलेज जा - रहा है।	3- रवि कॉलेज जा रहा है।
4- गौरव बुद्धिमान है।	4- गौरव कैसा है?	4- गौरव बुद्धिमान है।	4- गौरव बुद्धिमान - है।
5- शिवाजी बहुत - वीर है।	5- शिवाजी कैसे हैं?	5- शिवाजी बहुत वीर है।	5- शिवाजी बहुत वीर है।
स्पष्टीकरण-	इसमें नाच रही है, पी रहा है, जा रहा है। शब्द कार्य	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे - तथा अपनी उत्तरपुस्तिका	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAM DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....

Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	व्यापार का बोध करा रहे हैं जबकि है, ये शब्द होने का इन सभी का से किसी कार्य के करने अथवा होने का बोध हो रहा है, अतः ये क्रियाएँ हैं।	उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।	
अभ्यास-कार्य-	क- राधा गाना गा रही हैं। में क्रिया बताएँ।	— गा रही है।	प्रस्तुत वाक्यों में क्रिया को रेखांकित करें—
	ख- राम शर्बत पी रहा है।	— पी रहा है।	1- राधा गाना गा रही है।
	ग- गाड़ी चल रही है।	— चल रही है।	2- राम शर्बत पी रहा है।
	घ- राकेश कार चला रहा है।	— कार चला रहा है।	3- गाड़ी चल रही है।
	ङ- बिल्ली दूध पी रही है।	— दूध पी रही है।	4- राकेश कार चला रहा है।
	च- रेलगाड़ी चल रही है।	— चल रही है।	5- बिल्ली दूध पी रही है।
			6- रेलगाड़ी चल रही है।
गृहकार्य-	क्रियायुक्त 10 वाक्य लिखकर लाएँ।	छात्र अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।	

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Expt. No. ....

Date ....

Page No. ....

पाठ योजना - 4

विषय -
कक्षा -
विद्यालय -

दिनांक -
कालांश -
समयावधि -

प्रकरण - विशेषण

सामांय उद्देश्य -

1- छात्रों में शुद्ध भाषा बोलने व लिखने की प्रेरणा प्रदान करना।
2- छात्रों को भाषा तत्वों का ज्ञान प्रदान करना।
3- छात्रों को शुद्ध वाक्य रचना का ज्ञान कराना।
4- छात्रों को व्याकरण में के नियमों से परिचित कराना।
5- छात्रों में भाषा विश्लेषण की योग्यता विकसित करना।
6- छात्रों में शुद्ध व अशुद्ध रूप की बीच भिन्नता जानने की योग्यता का विकास करना।

विशिष्ट - उद्देश्य -	शिक्षण उद्देश्य -	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन -
ज्ञानात्मक - उद्देश्य -	1- छात्रों को भाषा तत्वों का ज्ञान कराना 2- छात्रों को विशेषण का ज्ञान कराना।	1- छात्र सैद्धान्तिक व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। 2- छात्र विशेषण के बारे में जान सकेंगे।

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree college of Science & Management

Expt. No. .... Date .... Page No. ....

विशिष्ट-उद्देश्य-	शिक्षण उद्देश्य-	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन-
2- अवबोधात्मक-उद्देश्य-	1- छात्रों में विशेषण को परिभाषित करने की योग्यता का विकास करना।	1- छात्र विशेषण को परिभाषित कर सकेंगे।
	2- छात्रों को विशेषण के महत्व की व्याख्या से परिचित कराना।	2- छात्र विशेषण के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त कर सकेंगे।
3- कौशलात्मक-उद्देश्य-	1- छात्रों को चित्र के माध्यम से विशेषण को प्रदर्शित करने की योग्यता का विकास करना।	1- छात्र विशेषण को जानने में सकारात्मक धारणा उत्पन्न कर सकेंगे तथा चित्र के माध्यम से प्रदर्शित विशेषण को आत्मसात कर सकेंगे।
4- अभिरुच्यात्मक-उद्देश्य-	1- छात्रों में विशेषण के विषय में रुचि जाग्रत करना।	1- छात्र विशेषण को जानने में रुचि ले सकेंगे।
5- अभिवृत्यात्मक-उद्देश्य-	1- छात्रों में भाषा के प्रति जीवन-उपयोगी सामान्य ज्ञान प्रदान करना।	1- छात्र भाषा का अपने सामान्य जीवन में उपयोग कर सकेगा।

सहायक सामग्री- पाठ्य-पुस्तक, चॉक, डस्टर, संकेतक, लपेट श्यामपट्ट, प्रकरण को स्पष्ट करता हुआ।

पूर्व-ज्ञान- छात्र कारकों के सम्बंध में प्रारम्भिक जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना प्रश्न-	छात्राध्यापक क्रियाएँ-	छात्र क्रियाएँ-	शिक्षण सहायक सामग्री-
	प्र-1 उपर्युक्त वाक्य में संज्ञा पद कौन सा है?	उ- राम-	श्यामपट्ट पर-
	प्र-2 राम कैसा लड़का है?	सुन्दर-	"राम सुन्दर लड़का है"

Teacher's Signature : ....

SMT. SIYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date .... Page No. ....

प्रस्तावना-प्रश्न-	छात्राध्यापक क्रियाएँ-	छात्र क्रियाएँ-	शिक्षण सहायक-सामग्री-
	प्र.-3 राम विशेष्य है तथा इसकी-विशेषता क्या है?	सुन्दर होना-	
	प्र.-4 सुन्दर व्याकरण की दृष्टि से-क्या कहा जाएगा?	विशेषण-	
	प्र.-5 विशेषण के विषय में आप-क्या जानते हैं?	समस्यात्मक	

उद्देश्य कथन-

आज हम सब विशेष्य की विशेषता बतलाने वाले विशेषण के विषय-में विस्तार से अध्ययन करेंगे।

शिक्षण बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
विशेषण-	छात्राध्यापक छात्रों से निम्न प्रश्न-करेंगे-	छात्र उत्तर देने का-प्रयास करेंगे।	
क-मोहन की-कमीज लाल है।	क- प्रथम वाक्य में विशेष्य पद कौन-सा है?	संज्ञा, 'मोहन' पद	'मोहन की कमीज लाल है' 'राम ने मीठा आम खाया'
	ख- कमीज का रंग कैसा है?	लाल	
	ग- कमीज का रंग जो लाल है वह क्या है?	विशेषता -	
ख- राम ने-मीठा आम-खाया।	घ- दूसरे वाक्य में आम क्या है।	विशेष्य -	
	ङ- इसकी विशेषता क्या है।	मीठा होना -	

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

शिक्षण बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	प्र- अतः मीठा क्या है?	विशेषण -	
स्पष्टीकरण-	उपर्युक्त उदाहरण में कमीज तथा 'आम' पद विशेष्य हैं जिनकी विशेषता लाल तथा मीठा होना है। अतः यह विशेष्य की विशेषता सूचक हैं जिन्हें व्याकरण में 'विशेषण' के रूप में जाना जाता है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनेंगे तथा अपनी उत्तर-पुस्तिकाओं में लिखेंगे।	
परिभाषा-	संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बतलाने वाले शब्दों को व्याकरण में विशेषण के नाम से अभिहित किया जाता है।	छात्र निर्देशानुसार परिभाषा को अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखेंगे।	"संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बतलाने वाले शब्दों को व्याकरण में 'विशेषण' के नाम से अभिहित किया जाता है।"
उदाहरण-			
घोड़ा लाल है।	प्र- इस वाक्य में घोड़ा क्या है?	संज्ञा -	"घोड़ा लाल है।"
	प्र- इसकी विशेषता क्या है?	इसका लाल रंग का होना	
	प्र- लाल शब्द क्या है?	विशेषण -	
स्पष्टीकरण-	अतः हम जान चुके हैं कि शब्द या पद जो संज्ञा तथा सर्वनाम के गुणों अथवा-	छात्र मनोयोगपूर्वक समझेंगे।	

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

शिक्षण बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
स्पष्टीकरण-	अतः हम जान चुके हैं कि वे-शब्द या पद जो संज्ञा तथा-सर्वनाम के गुणों अथवा विशेषताओं को प्रदर्शित करते हैं वे-शब्द विशेषण के नाम से जाने जाते हैं।		
अभ्यासकार्य-	क- किताब बहुत सुन्दर है। ख- अजय अच्छा लड़का है। ग- चिड़िया के पंख लाल हैं। घ- आम मीठा राम खा रहा है। (i) प्रथम वाक्य में संज्ञा है। (ii) किताब कैसी है। (iii) सुन्दरता किताब की [illegible] है। (iv) जो संज्ञा की विशेषता बतलाते हैं वे क्या कहलाते हैं।	किताब- सुन्दर- विशेषता- विशेषण-	क- किताब बहुत-सुन्दर है। ख- अजय अच्छा-लड़का है। ग- चिड़िया के पंख-लाल हैं। घ- राम मीठा आम खा रहा है।
गृहकार्य-	विशेषण युक्त 10 वाक्य लिख कर लाएँ।	छात्र अपनी उत्तर-पुस्तिका मे लिखेंगे।	

Teacher's Signature : ....

SMT. SIMARA DEVI Degree College of Science & Management

पाठयोजना - ५

विषय-
कक्षा-
विद्यालय-

दिनांक-
कालांश-
समयावधि-

प्रकरण - समास (बहुव्रीहि)

सामान्य उद्देश्य -

1- छात्रों को शुद्ध भाषा बोलने व लिखने की प्रेरणा प्रदान करना।
2- छात्रों को भाषा तत्वों का ज्ञान प्रदान करना।
3- छात्रों को शुद्ध वाक्य रचना का ज्ञान कराना।
4- छात्रों को व्याकरण के नियमों से परिचित कराना।
5- छात्रों में भाषा विश्लेषण की योग्यता विकसित करना।
6- छात्रों में शुद्ध एवं अशुद्ध रूप के बीच भिन्नता जानने की योग्यता का विकास करना।

विशिष्ट उद्देश्य -	शिक्षण उद्देश्य -	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन -
1- ज्ञानात्मक उद्देश्य -	1- छात्रों को भाषा तत्वों का ज्ञान कराना।	1- छात्र सैद्धान्तिक व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
	2- छात्रों को समास का ज्ञान प्रदान कराना।	2- छात्र समास का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2- अवबोधात्मक - उद्देश्य -	1- छात्रों में समास को परिभाषित करने की योग्यता का -	1- छात्र समास को परिभाषित कर सकेंगे।

SMT. SHYAMA DEVI
Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. .... Page No. ....

विशिष्ट उद्देश्य-	शिक्षण उद्देश्य -	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन -
	विकास करना। 2- छात्रों को समास के महत्व की व्याख्या से परिचित कराना।	2- छात्र समास के महत्व को अपने शब्दों में व्यक्त कर सकेंगे।
3- कौशलात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों को चार्ट के माध्यम से समास को प्रदर्शित करने की योग्यता का विकास करना।	1- छात्र समास को जानने में सकारात्मक धारणा उत्पन्न कर सकेंगे।
4- अभिरुच्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में समास के विषय में रुचि जाग्रत करना।	1- छात्र समास में रुचि ले सकेंगे।
5- अभिवृत्यात्मक उद्देश्य-	1- छात्रों में भाषा के प्रति जीवन उपयोगी सामान्य जानकारी प्रदान करना।	1- छात्र भाषा का अपने सामान्य जीवन में उपयोग कर सकेंगे।

सहायक सामग्री- पाठ्य-पुस्तक, चॉक, डस्टर, संकेतक, लपेट श्यामपट्ट, प्रकरण को स्पष्ट करता हुआ चार्ट।

पूर्व-ज्ञान- छात्र समास के विषय में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना-प्रश्न-	छात्राध्यापक क्रिया -	छात्र क्रियाएँ -
	प्र०-1 वर्णों के मेल को क्या कहते हैं?	उ०- वर्णों के मेल को 'शब्द' कहते हैं।
	प्र०-2 शब्दों के मेल को क्या कहते हैं?	उ०- शब्दों के मेल को 'वाक्य' कहते हैं।
	प्र०-3 'रसोई के लिए घर' को और क्या कहेंगे?	उ०- रसोईघर।

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Teacher's Signature : ....

Date ....

Expt. No. ....

Page No. ....

प्रस्तावना-प्रश्न-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-
	प्र०-4 इस संक्षिप्तीकरण को क्या-कहते हैं?	उ०- समास।
	प्र०-5 बहुव्रीहि समास क्या है?	उ०- समस्यात्मक।

उद्देश्य कथन- आज हम सब बहुव्रीहि समास की परिभाषा तथा अर्थ का विस्तृत रूप-से अध्ययन करेंगे।

शिक्षण बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
बहुव्रीहि समास-			
उदाहरण-	छात्राध्यापक छात्रों से निम्न-प्रश्न करेंगे।	छात्र प्रश्नों के उत्तर-देंगे।	उदाहरण-
1- नीलकण्ठ-	प्र०-नीला है कं० जिसका-अर्थात्?	नीलकण्ठ (शिव)	1- नीलकण्ठ
2- चन्द्रमौलि-	प्र०- चन्द्र है सिर पर जि-सके अर्थात्?	शंकर	2- चन्द्रमौलि
3-दशानन-	प्र०- दस है आनन जिसके-अर्थात्?	रावण	3- दशानन
4--श्वेताम्बर-	प्र०- श्वेत है जिसके अम्बर	सरस्वती	4- श्वेताम्बर
स्पष्टीकरण-	जैसाकि स्पष्ट है सभी-शब्दों में दोनों पद अप्रधान है तथा कोई सांकेतिक-पद प्रधान है। उदाहरण में- 'नीलकण्ठ' में नीला है कण्ठ जिसका की -	छात्र ध्यानपूर्वक-सुनेंगे तथा अपनी-उत्तर-पुस्तिका में-लिखेंगे।	

Teacher's Signature : ....

SMT SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Expt. No. .... Date .... Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	प्रधानता नहीं है तथा तृतीया-अर्थात् अन्य पद शिव प्रधान है इसी प्रकार 'चन्द्रमौलि' में चन्द्र है जिसके सिर पर शंकर की-प्रधानता है दशानन में दश है-आनन में तृतीय पद रावण-प्रधान है। तथा 'श्वेताम्बर' में-तृतीय पद विशेष्य सरस्वती-प्रधान है।		
परिभाषा-	जिस समास के दोनों पद-अप्रधान हों और समस्त-पद के अर्थ के अतिरिक्त कोई-सांकेतिक अर्थ प्रधान हो उसे बहुव्रीहि समास कहते हैं।	छात्र अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।	परिभाषा- जिस समास के दोनों पद अप्रधान हों और-समस्त पद के अर्थ-के अतिरिक्त कोई-सांकेतिक अर्थ प्रधान हो उसे बहुव्रीहि स-मास कहते हैं।
उदाहरण-	1- चक्रपाणि - चक्र है पाणि-(हाथ) में जिसके अर्थात्-विष्णु।	छात्र अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।	चक्रपाणि
	2- सुलोचना - सुन्दर हैं लोचन जिस नारी के।		सुलोचना
	3- दिगम्बर - दिक् (दिशाएँ) ही अम्बर है जिसके अर्थात्-जैन साधु।		दिगम्बर
	4- पीताम्बर - पीत है अम्बर		पीताम्बर

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management

Date ....

Expt. No. ....   Page No. ....

शिक्षण-बिन्दु-	छात्राध्यापक क्रिया-	छात्र क्रियाएँ-	श्यामपट्ट कार्य-
	(वस्त्र) जिसके — श्री कृष्ण।		
	5- लम्बोदर- लम्बा है उदर- जिसका — गणेश जी।	लम्बोदर	लम्बोदर
	6-दुरात्मा -बुरी आत्मावाला- (कोई दुष्ट)।		दुरात्मा
	7- मुरलीधर - मुरली धारण की- जिसने - श्री कृष्ण।		मुरलीधर
अभ्यासकार्य-	रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए	छात्र अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।	रिक्त स्थानों की पूर्ति- कीजिए—
	1-दश हैं...... जिसके अर्थात्......	आनन, रावण।	1-दश हैं...... जिसके...... ।
	2-नीला है...... जिसका......	कण्ठ, शिव।	2-नीला है...... जिसका......
	3-चन्द्र है...... जिसके अर्थात्......	सिर, शंकर।	3-चन्द्र हैं...... जिसके...... ।
	4-चक्र है...... में जिसके......	पाणि, विष्णु।	4-चक्र है...... में जिसके...... ।
	5-सुन्दर है...... जिस नारी के......	लोचन।	5-सुन्दर है...... जिस नारी के...... ।
	6-दिक् ही अम्बर है जिसके अर्थात्......	जैनसाधु।	6-दिक् ही अम्बर- हैं जिसके...... ।
	7-लम्बा है उदर जिसका अर्थात्......	गणेश जी।	7-लम्बा है उदर- जिसका...... ।
	8-श्वेत है...... जिसके अर्थात्......	वस्त्र, सरस्वती।	8-श्वेत हैं...... जिसके...... ।
गृहकार्य-	परिभाषा व उदाहरण लिखकर- घर से लायेंगे।	छात्र अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।	

Teacher's Signature : ....

SMT. SHYAMA DEVI Degree College of Science & Management